Result Mitra

UPSC (IAS) Prelims 2025

Current Affairs

18 Months

CRASH COURSE

#IAS

ABHAY SIR

Events in News

- वेटलैंड्स (Wetlands)
- कमिटी ऑफ़ टेन (C-10) ग्रुप
- L-69 समूह
- पवित्र उपवन
- हसदेव के जंगलों में खनन

वेटलैंड्स (Wetlands)

वेटलैंड्स (Wetlands)

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: रामसर कन्वेंशन (Ramsar Convention) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है जो आर्द्रभूमि (वेटलैंड्स) के संरक्षण और सतत उपयोग को बढ़ावा देती है।
2. इस कन्वेंशन का नाम ईरान के एक शहर के नाम पर रखा गया है, जहां 1971 में यह संधि अपनाई गई थी।
3. भारत इस कन्वेंशन का सदस्य नहीं है।

सही उत्तर का चयन करें:

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

वेटलैंड्स का परिचय

- वेटलैंड्स (आर्द्रभूमि) ऐसे क्षेत्र होते हैं जो स्थायी या अस्थायी रूप से जल से भरे रहते हैं और जिनमें जल-आधारित पारिस्थितिकी पाई जाती है। इनमें झीलें, दलदल, नदियों के किनारे, मैंग्रोव, लैगून, और मानव निर्मित जलाशय शामिल होते हैं।
- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) के अनुसार, वेटलैंड्स पृथ्वी के सबसे महत्वपूर्ण पारिस्थितिक तंत्रों में से एक हैं, क्योंकि ये जैव विविधता, जल शुद्धता, बाढ़ नियंत्रण, और जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वेटलैंड्स का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

(1) प्राचीन काल

- भारत, मिस्र, चीन और मेसोपोटामिया की प्राचीन सभ्यताएँ नदियों और वेटलैंड्स के किनारे बसी थीं।
- वेटलैंड्स का उपयोग मत्स्य पालन, कृषि और जल भंडारण के लिए किया जाता था।
- हड़प्पा सभ्यता में जलाशयों और कृत्रिम जल संरचनाओं के प्रमाण मिलते हैं।

(2) औपनिवेशिक काल (18वीं-20वीं सदी)

- ब्रिटिश शासन के दौरान कई वेटलैंड्स को कृषि भूमि में बदल दिया गया।
- रेलवे, उद्योग और शहरीकरण के कारण वेटलैंड्स का क्षरण हुआ।

(3) 20वीं सदी में संरक्षण की शुरुआत

- वेटलैंड्स के महत्व को समझते हुए कई देशों ने संरक्षण नीतियाँ अपनाईं।
- 1971 में "रामसर कन्वेंशन" अस्तित्व में आया जो वेटलैंड्स के वैश्विक संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण संधि है।

वेटलैंड्स के प्रकार

(1) प्राकृतिक वेटलैंड्स

- स्थलीय वेटलैंड्स: दलदल, आर्द्रभूमि, पीट भूमि।
- तटीय वेटलैंड्स: मैंग्रोव, लैगून, मडफ्लैट, मुहाने।
- मीठे पानी की वेटलैंड्स: झीलें, तालाब, नदियाँ, झरने।
- खारे पानी की वेटलैंड्स: खाड़ी, डेल्टा, समुद्री आर्द्रभूमि।

(2) मानव निर्मित वेटलैंड्स

- जलाशय और कृत्रिम झीलें (उदाहरण: गोविंद सागर, हिराकुंड जलाशय)।
- धान के खेत (गर्मी के मौसम में वेटलैंड्स के समान व्यवहार करते हैं)।
- अपशिष्ट जल उपचार संयंत्रों से जुड़ी वेटलैंड्स।

वेटलैंड्स का महत्व

(1) पारिस्थितिकीय महत्व

- जल संरक्षण: भूजल पुनर्भरण में मदद करता है।
- बाढ़ नियंत्रण: वेटलैंड्स अतिरिक्त पानी को अवशोषित कर बाढ़ को नियंत्रित करते हैं।

- जलवायु परिवर्तन शमन: कार्बन को अवशोषित करने में सहायक।
- जैव विविधता संरक्षण: विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों, मछलियों और वन्यजीवों का आवास स्थल।

(2) आर्थिक महत्व

- मत्स्य पालन और कृषि: कई लोगों की आजीविका वेटलैंड्स पर निर्भर करती है।
- पर्यटन और मनोरंजन: प्रसिद्ध झीलें और वन्यजीव अभयारण्य (जैसे केरल के वेम्बनाड झील, चिल्का झील)।
- औषधीय और खाद्य उत्पाद: मैंग्रोव वनों से औषधीय पौधे और शहद प्राप्त होता है।

(3) सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व

- कई झीलें और नदियाँ धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण हैं (जैसे पुष्कर झील, मानसरोवर झील)।

वैश्विक स्तर पर वेटलैंड्स संरक्षण (रामसर कन्वेंशन, 1971)

- स्थापना: 2 फरवरी 1971 (इसे "विश्व वेटलैंड्स दिवस" के रूप में मनाया जाता है)।
- मुख्यालय: जिनेवा, स्विट्जरलैंड।
- वर्तमान सदस्य: 172 देश।
- उद्देश्य: वेटलैंड्स के संरक्षण और उनके सतत उपयोग को बढ़ावा देना।
- रामसर स्थलों की संख्या: 2,500+ (2024 तक)।

भारत में वेटलैंड्स: इतिहास से वर्तमान तक

(1) भारत में प्रमुख वेटलैंड्स

- भारत में लगभग 7.5 लाख वर्ग किलोमीटर वेटलैंड्स क्षेत्र है, जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 4.6% है।

प्रसिद्ध वेटलैंड्स और झीलें

- डल झील (जम्मू-कश्मीर) – पर्यटन और मछली पालन।
- चिल्का झील (ओडिशा) – प्रवासी पक्षियों का प्रमुख स्थल।
- वेम्बनाड झील (केरल) – भारत की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील।

- सांभर झील (राजस्थान) – खारे पानी की झील, नमक उत्पादन के लिए प्रसिद्ध।
- लोकतक झील (मणिपुर) – इसमें केइबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान स्थित है।

(2) भारत और रामसर कन्वेंशन

- भारत 1982 में रामसर कन्वेंशन में शामिल हुआ।
- 2024 तक, भारत में 80+ रामसर स्थल हैं (विश्व में सबसे अधिक वेटलैंड्स नामांकित करने वाले शीर्ष देशों में शामिल)।

हाल ही में जोड़े गए कुछ रामसर स्थल (2022-2024):

- सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान (हरियाणा)।
- थोल झील (गुजरात)।
- खिजड़िया वेटलैंड (गुजरात)।

भारत में वेटलैंड्स संरक्षण के लिए सरकारी पहल

(1) राष्ट्रीय वेटलैंड संरक्षण कार्यक्रम (NWCP, 1985)

- 115 महत्वपूर्ण वेटलैंड्स की पहचान और संरक्षण।

(2) वेटलैंड्स (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017

- वेटलैंड्स के अतिक्रमण और प्रदूषण को रोकना।

(3) अमृत सरोवर योजना (2022)

- तालाबों और झीलों को पुनर्जीवित करने के लिए शुरू की गई।

(4) 'नमामि गंगे' योजना

- गंगा नदी और उसके वेटलैंड्स की सफाई के लिए।

वेटलैंड्स संरक्षण की चुनौतियाँ

- शहरीकरण और औद्योगीकरण: निर्माण और प्रदूषण से वेटलैंड्स सिकुड़ रहे हैं।
- अवैध अतिक्रमण: कृषि और रियल एस्टेट के लिए वेटलैंड्स का विनाश।
- जलवायु परिवर्तन: सूखा और समुद्री जल स्तर में वृद्धि से खतरा।
- प्रशासनिक अक्षमता: प्रभावी निगरानी और संरक्षण की कमी।

वेटलैंड्स (Wetlands)

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: रामसर कन्वेंशन (Ramsar Convention) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है जो आर्द्रभूमि (वेटलैंड्स) के संरक्षण और सतत उपयोग को बढ़ावा देती है।
2. इस कन्वेंशन का नाम ईरान के एक शहर के नाम पर रखा गया है, जहां 1971 में यह संधि अपनाई गई थी।
3. भारत इस कन्वेंशन का सदस्य नहीं है।

सही उत्तर का चयन करें:

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

उत्तर: (A) केवल 1 और 2

व्याख्या:

- रामसर कन्वेंशन एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है, जिसका उद्देश्य वेटलैंड्स का संरक्षण और उनका सतत उपयोग सुनिश्चित करना है।
- इस संधि को 1971 में ईरान के रामसर शहर में अपनाया गया था और 1975 में लागू किया गया।
- भारत इस कन्वेंशन का सदस्य है और यहां कई वेटलैंड्स को रामसर साइट्स के रूप में मान्यता प्राप्त है।

कमिटी ऑफ़ टेन (C-10) ग्रुप

कमिटी ऑफ़ टेन (C-10) ग्रुप

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: "कमिटी ऑन टेन गुप्स" के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह समिति भारत सरकार द्वारा 1979 में गठित की गई थी।
2. इसका उद्देश्य औद्योगिक लाइसेंसिंग प्रणाली की समीक्षा करना था।
3. इस समिति की सिफारिशें 1991 के आर्थिक सुधारों (Liberalization) का आधार बनीं।

सही उत्तर का चयन करें:

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

कमिटी ऑफ़ टेन (C-10) ग्रुप

Daily Current News

Result Mitra

- **कमिटी ऑफ़ टेन (C-10) ग्रुप** एक अफ्रीकी आर्थिक और वित्तीय सहयोग मंच है, जिसे 2008 में स्थापित किया गया था।
- इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों (IFIs) में अफ्रीकी देशों की भागीदारी को बढ़ाना और वैश्विक वित्तीय प्रणाली में सुधारों की दिशा में कार्य करना है।

C-10 ग्रुप की स्थापना और सदस्यता

- स्थापना: 2008 में "10 अफ्रीकी वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नर्स की समिति" के रूप में।
- उद्देश्य: वैश्विक वित्तीय गवर्नेंस में अफ्रीका की भूमिका को मजबूत करना।

सदस्य देश और संस्थान:

1. अल्जीरिया, 2. बोत्सवाना, 3. कैमरून, 4. मिस्र
5. केन्या, 6. नाइजीरिया, 7. दक्षिण अफ्रीका, 8. तंजानिया
9. सेंट्रल बैंक ऑफ वेस्ट अफ्रीकन स्टेट्स (CBWAS), 10. सेंट्रल बैंक ऑफ सेंट्रल अफ्रीकन स्टेट्स (CBCAS)

C-10 ग्रुप के प्रमुख कार्य

- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों (IFIs) में सुधारों की वकालत।
- अफ्रीकी देशों की आर्थिक भागीदारी को बढ़ाने की रणनीति तैयार करना।
- ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस (जैसे 2008 की आर्थिक मंदी) से निपटने के लिए समन्वय।
- IMF, विश्व बैंक और अन्य बहुपक्षीय वित्तीय संगठनों में अफ्रीकी देशों की प्रभावी भूमिका सुनिश्चित करना।
- विकासशील देशों के लिए वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने के प्रयास।

भारत और C-10 ग्रुप

- भारत, C-10 के सहयोगी संगठनों जैसे अफ्रीकी संघ और G-20 पहल के तहत अफ्रीकी देशों के साथ आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देता है।
- भारतीय विदेश मंत्री ने C-10 और L.69 समूह की पहली संयुक्त मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया, जिसका उद्देश्य विकासशील देशों की सामूहिक भागीदारी को मजबूत करना था।

कमिटी ऑफ़ टेन (C-10) ग्रुप

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: "कमिटी ऑन टेन गुप्स" के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह समिति भारत सरकार द्वारा 1979 में गठित की गई थी।
2. इसका उद्देश्य औद्योगिक लाइसेंसिंग प्रणाली की समीक्षा करना था।
3. इस समिति की सिफारिशें 1991 के आर्थिक सुधारों (Liberalization) का आधार बनीं।

सही उत्तर का चयन करें:

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

व्याख्या:

1979 में गठित "कमिटी ऑन टेन ग्रुप्स" का उद्देश्य भारत की औद्योगिक नीतियों और लाइसेंसिंग प्रणाली की समीक्षा करना था।

इसने उद्योगों के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया को आसान बनाने और नियामक बाधाओं को कम करने की सिफारिश की।

• बाद में इसकी सिफारिशें 1991 के आर्थिक उदारीकरण और सुधारों के लिए एक आधार बनीं।

Result Mitra
L-69 समूह

प्रश्न 1: L-69 समूह का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(A) जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक समझौते को बढ़ावा देना

(B) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में सुधार की मांग करना

(C) व्यापार नीतियों को नियंत्रित करना

(D) विकासशील देशों के लिए कर्ज राहत कार्यक्रम चलाना

L-69 समूह

Daily Current News

- **L.69 समूह (L.69 Group)** विकासशील देशों का एक गठबंधन है, जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में सुधार और स्थायी सदस्यता के लिए वैश्विक प्रतिनिधित्व बढ़ाने की वकालत करता है।
- इसमें अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, कैरेबियन, प्रशांत महासागर के द्वीपीय देश और एशिया के देश शामिल हैं।

L-69 समूह

Daily Current News

Result Mitra

L.69 समूह का परिचय

- स्थापना: यह समूह 2007 में गठित हुआ।
- उद्देश्य: UNSC में स्थायी और अस्थायी सीटों के लिए विकासशील देशों को अधिक प्रतिनिधित्व दिलाना।
- महत्व: यह समूह G4 देशों (भारत, ब्राज़ील, जर्मनी, जापान) के समान ही सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग करता है, लेकिन इसका ध्यान विशेष रूप से ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों) पर केंद्रित है।

L-69 समूह

Daily Current News

Result Mitra

L.69 समूह के सदस्य देश

- इस समूह में 42 विकासशील देश शामिल हैं, जिनमें मुख्यत: निम्नलिखित क्षेत्रीय समूह शामिल हैं:
- अफ्रीकी देश: घाना, दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया, केन्या, तंजानिया आदि।
- लैटिन अमेरिकी देश: ब्राज़ील, अर्जेंटीना, मैक्सिको आदि।
- कैरेबियन देश: जमैका, डोमिनिका, बारबाडोस आदि।
- प्रशांत द्वीपीय देश: फिजी, पापुआ न्यू गिनी आदि।
- एशियाई देश: भारत, इंडोनेशिया आदि।

L.69 समूह के प्रमुख उद्देश्य

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में सुधार:
- स्थायी और अस्थायी सीटों की संख्या बढ़ाने की मांग।
- विकासशील देशों को अधिक प्रतिनिधित्व देने पर जोर।

ग्लोबल गवर्नेंस में सुधार:

- UNSC की निर्णय प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और लोकतांत्रिक बनाना।
- शक्ति संतुलन को यूरोप और अमेरिका से हटाकर एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की ओर स्थानांतरित करना।

बहुपक्षीय सहयोग:

- संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों में विकासशील देशों की भागीदारी बढ़ाना।

भारत और L.69 समूह

- भारत इस समूह का प्रमुख सदस्य है और UNSC में स्थायी सदस्यता की अपनी दावेदारी को मजबूत करने के लिए इसका समर्थन करता है।

L-69 समूह

Daily Current News

Result Mitra

- भारत ने 2023 में L.69 और C-10 समूहों की पहली संयुक्त मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया, जिसका उद्देश्य UNSC सुधारों को गति देना था।
- भारत संयुक्त राष्ट्र में "ग्लोबल साउथ" की आवाज़ को बुलंद करने की वकालत करता है और G4, L.69 और अफ्रीकी देशों के साथ मिलकर UNSC में स्थायी सुधार की मांग करता है।

L.69 समूह और G4 समूह का अंतर

विशेषता	L.69 समूह	G4 समूह
सदस्यता	42+ विकासशील देश	भारत, जापान, जर्मनी, ब्राजील
मुख्य उद्देश्य	UNSC में वैश्विक दक्षिण (Global South) के लिए अधिक प्रतिनिधित्व	UNSC की स्थायी सीटों के लिए समर्थन
क्षेत्रीय फोकस	अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका, कैरेबियन, प्रशांत द्वीप	प्रमुख चार देश (भारत, जापान, ब्राजील, जर्मनी)
भारत की भूमिका	प्रमुख सदस्य	संस्थापक सदस्य

प्रश्न 1: L-69 समूह का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(A) जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक समझौते को बढ़ावा देना

(B) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में सुधार की मांग करना

(C) व्यापार नीतियों को नियंत्रित करना

(D) विकासशील देशों के लिए कर्ज राहत कार्यक्रम चलाना

उत्तर: (B) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में सुधार की मांग करना

व्याख्या:

- L-69 समूह UNSC में सुधार और स्थायी तथा अस्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने की वकालत करता है।
- यह समूह विकासशील देशों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व की मांग करता है ताकि वैश्विक नीति निर्माण में संतुलन बना रहे।

Result Mitra
पवित्र उपवन

पवित्र उपवन

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: पवित्र उपवन (Sacred Groves) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. ये पारंपरिक रूप से समुदायों द्वारा संरक्षित वन क्षेत्र होते हैं और इनमें धार्मिक तथा सांस्कृतिक महत्व होता है।
2. ये पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता बनाए रखने में मदद करते हैं और जैव विविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
3. भारत में केवल पूर्वोत्तर राज्यों में पवित्र उपवन पाए जाते हैं।

उपयुक्त विकल्प चुनें:

(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

सुप्रीम कोर्ट ने 18 दिसंबर, 2024 :-

- एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए राजस्थान के पवित्र उपवनों (सैकरेड ग्रोव्स) की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया।

पवित्र उपवन क्या होते है :-

- प्रकृति मानव के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि उसकी खुद की जान।
- इसीलिए मानव प्राचीन काल से प्राकृतिक पूजक रहा है।
- प्रकृति की पूजा, मानवता जितनी प्राचीन है।
- वनस्पतियों में मानव ने शायद पहली बार दिव्यता के प्रतीक देखे।

जंगल

आखिर क्या होते हैं पवित्र उपवन?

दुनिया के बाकी हिस्सों की तरह भारत में भी प्रकृति पूजा की समृद्ध परंपरा है; इसके पवित्र उपवन उस विरासत के प्रमाण हैं

Source :- Down To Earth

पवित्र उपवन

- पूरे विश्व में कोई भी धार्मिक या सांस्कृतिक परंपरा नहीं होगी, जिसमे पेड़ों में दिव्यता की उपस्थिति को न माना जाता हो।
- उदाहरण के रूप में:- नॉर्स संस्कृति में यग्द्रसिल, इस्लाम में सिदरत अल-मुनताहा या बौद्ध धर्म का बोधि वृक्ष, जिसके नीचे बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त किया।

- 2001 में प्रकाशित एक लेख जिसके लेखक कैलाश सी. मल्होत्रा, योगेश गोखले, सुदीप्तो चटर्जी और संजीव श्रीवास्तव ने "कल्चरल एंड इकोलॉजिकल डायमेंशंस ऑफ सैकरेड ग्रोव्स" में उल्लेख किया है कि मानव सभ्यता की एक महत्वपूर्ण परंपरा "देवताओं/या पूर्वजों की आत्माओं को समर्पित जंगलों के टुकड़ों की सुरक्षा करना" रही है। इन जंगलों को पवित्र वन कहा जाता है।

पवित्र उपवन

- ये प्राकृतिक वन "वे भूभाग होते हैं जिनमें वनस्पतियां, जीवन के अन्य रूप और भौगोलिक विशेषता पाई जाती हैं

- जिन्हें मानव समाजों द्वारा संरक्षित और सीमांकित किया गया है। ऐशा माना जाता है कि इन्हें अपरिवर्तित स्थिति में बनाए रखना, मानव और प्रकृति या दिव्यता के साथ महत्वपूर्ण संबंध को व्यक्त करता है।"

पवित्र उपवन

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: पवित्र उपवन (Sacred Groves) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. ये पारंपरिक रूप से समुदायों द्वारा संरक्षित वन क्षेत्र होते हैं और इनमें धार्मिक तथा सांस्कृतिक महत्व होता है।
2. ये पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता बनाए रखने में मदद करते हैं और जैव विविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
3. भारत में केवल पूर्वोत्तर राज्यों में पवित्र उपवन पाए जाते हैं।

उपयुक्त विकल्प चुनें:

(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

उत्तर: (A) केवल 1 और 2

स्पष्टीकरण:

• कथन 1 सही है पवित्र उपवन पारंपरिक समुदायों द्वारा संरक्षित क्षेत्र होते हैं, जिनका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व होता है।

• कथन 2 सही है ये जैव विविधता संरक्षण और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं।

• कथन 3 गलत है भारत में पवित्र उपवन केवल पूर्वोत्तर में ही नहीं, बल्कि राजस्थान, महाराष्ट्र, केरल, हिमाचल प्रदेश, और कई अन्य राज्यों में भी पाए जाते हैं

Result Mitra

हसदेव के जंगलों में खनन

हसदेव के जंगलों में खनन

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: हसदेव अरण्य (Hasdeo Aranya) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. हसदेव अरण्य छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित एक घना वन क्षेत्र है, जिसे जैव विविधता हॉटस्पॉट माना जाता है।
2. यह क्षेत्र हाथियों के महत्वपूर्ण आवासों में से एक है और यहाँ हाथी गलियारे (Elephant Corridor) मौजूद हैं।
3. इस क्षेत्र में कोयला खनन के लिए कोई भी अनुमति नहीं दी गई है क्योंकि इसे 'नो-गो जोन' घोषित किया गया है।

सही उत्तर चुनें:

(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

हसदेव के जंगलों में खनन

Daily Current News

Result Mitra

18 दिसंबर 2024 को संसद :-

- हसदेव के जंगलों में खनन की इजाजत देने का मामला ।

- कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने जानकारी देते हुए कहा कि सरकार, कोयला मंत्रालय के माध्यम से केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के साथ समन्वय में, यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि हसदेव वन क्षेत्र में सभी कोयला खनन गतिविधियां पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ और सामाजिक रूप से जिम्मेदार तरीके से की जाएं।

ऊर्जा

जिम्मेदार तरीके से की जाएंगी हसदेव वन क्षेत्र में सभी कोयला खनन गतिविधियां: सरकार

साल 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 30 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा

Source :- Down To Earth

हसदेव के जंगलों में खनन

Daily Current News

Result Mitra

- कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने जानकारी देते हुए कहा कि सरकार, कोयला मंत्रालय के माध्यम से केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के साथ समन्वय में, यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि हसदेव वन क्षेत्र में सभी कोयला खनन गतिविधियां पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ और सामाजिक रूप से जिम्मेदार तरीके से की जाएं।

हसदेव जंगल की विशेषताएँ:

1. जैव विविधता:

- हसदेव के जंगल विभिन्न प्रकार के वनस्पतियों और जीव-जंतुओं का घर हैं। इसमें साल, सागौन और बाँस जैसे पेड़, और बाघ, भालू, हाथी जैसे वन्यजीव शामिल हैं।
- यह क्षेत्र पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

2. खनिज संपदा:

- हसदेव क्षेत्र कोयले के भंडार के लिए भी प्रसिद्ध है।
- यहाँ खनन की बड़ी संभावनाएँ हैं, लेकिन यह क्षेत्र पर्यावरण और स्थानीय समुदायों के लिए भी अत्यंत संवेदनशील है।

3. पर्यावरणीय विवाद:

- हसदेव जंगल में खनन परियोजनाओं को लेकर कई विवाद हैं।
- पर्यावरणविदों और स्थानीय लोगों का कहना है कि खनन से पर्यावरण को भारी नुकसान होगा और आदिवासी समुदायों की आजीविका पर संकट आएगा।

4. स्थानीय समुदायों का संघर्ष:

- हसदेव अरण्य के आदिवासी समुदाय इन जंगलों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर मानते हैं।
- इनका जीवन और आजीविका जंगल पर निर्भर है।
- खनन परियोजनाओं के विरोध में स्थानीय लोगों ने कई आंदोलन चलाए हैं, जिनमें "हसदेव बचाओ" अभियान सबसे प्रमुख है।

संरक्षण और चुनौतियाँ:

- हसदेव के जंगल जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में मददगार हैं।
- यह क्षेत्र कार्बन उत्सर्जन को कम करने और जलवायु संतुलन बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाता है।
- इसलिए, इसका संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

- सरकार और नागरिक समाज के बीच इस क्षेत्र के संरक्षण और विकास को लेकर बहस जारी है।
- यह क्षेत्र एक महत्वपूर्ण उदाहरण है कि कैसे प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए।

हसदेव के जंगलों में खनन

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: हसदेव अरण्य (Hasdeo Aranya) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. हसदेव अरण्य छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित एक घना वन क्षेत्र है, जिसे जैव विविधता हॉटस्पॉट माना जाता है।
2. यह क्षेत्र हाथियों के महत्वपूर्ण आवासों में से एक है और यहाँ हाथी गलियारे (Elephant Corridor) मौजूद हैं।
3. इस क्षेत्र में कोयला खनन के लिए कोई भी अनुमति नहीं दी गई है क्योंकि इसे 'नो-गो जोन' घोषित किया गया है।

सही उत्तर चुनें:

(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

उत्तर: (A) केवल 1 और 2

स्पष्टीकरण:

• कथन 1 सही है हसदेव अरण्य छत्तीसगढ़ के कोरबा, सूरजपुर और सरगुजा जिलों में फैला हुआ एक घना वन क्षेत्र है, जो अपनी जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है।

• कथन 2 सही है - यह क्षेत्र हाथी गलियारे (Elephant Corridor) का हिस्सा है और यहाँ बड़ी संख्या में हाथी पाए जाते हैं।

• कथन 3 गलत है पहले इस क्षेत्र को 'नो-गो जोन' घोषित किया गया था, लेकिन बाद में कुछ कोयला खनन परियोजनाओं को अनुमति दी गई। हालाँकि, स्थानीय समुदाय और पर्यावरणविद इसका विरोध कर रहे हैं।

मेक्सिको की खाड़ी (Gulf of Mexico)

मेक्सिको की खाड़ी (Gulf of Mexico)

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: गल्फ ऑफ मैक्सिको (Gulf of Mexico) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह उत्तर अमेरिकी महाद्वीप के पूर्वी तट पर स्थित एक अर्ध-संवृत समुद्री क्षेत्र (semi-enclosed sea) है।
2. यह संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और क्यूबा से घिरा हुआ है।
3. इसका प्रमुख नदी तंत्र मिसिसिपी नदी है, जो इस खाड़ी में गिरती है।

सही उत्तर चुनें:

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

मेक्सिको की खाड़ी (Gulf of Mexico)

- अटलांटिक महासागर का एक महत्वपूर्ण भाग है, जो उत्तरी अमेरिका और कैरेबियन क्षेत्र के बीच स्थित है।
- यह खाड़ी संयुक्त राज्य अमेरिका, मेक्सिको और क्यूबा से घिरी हुई है।

1. मेक्सिको की खाड़ी का भौगोलिक परिचय

- यह उत्तर अमेरिका के दक्षिण में स्थित है और अटलांटिक महासागर का हिस्सा है।

मेक्सिको की खाड़ी (Gulf of Mexico)

Result Mitra

- यह खाड़ी उत्तर में संयुक्त राज्य अमेरिका (टेक्सास, लुइसियाना, मिसिसिपी, अलबामा, फ्लोरिडा), पश्चिम और दक्षिण में मेक्सिको, और दक्षिण-पूर्व में क्यूबा से घिरी हुई है।
- यह खाड़ी फ्लोरिडा स्ट्रेट (Florida Strait) और युकातान चैनल (Yucatán Channel) के माध्यम से अटलांटिक महासागर से जुड़ी है।

महत्वपूर्ण तथ्य

मेक्सिको की खाड़ी का आर्थिक महत्व

1. तेल और गैस उत्पादन – यह क्षेत्र दुनिया के प्रमुख पेट्रोलियम भंडारों में से एक है।
2. मत्स्य उद्योग – झींगे, केकड़े और अन्य समुद्री जीवों की प्रचुरता के कारण यह एक महत्वपूर्ण मत्स्यन क्षेत्र है।
3. व्यापार और शिपिंग – अमेरिका और लैटिन अमेरिका के बीच व्यापारिक मार्ग के रूप में कार्य करता है।
4. पर्यटन – फ्लोरिडा और मेक्सिको के समुद्र तट पर्यटन के लिए प्रसिद्ध हैं।

पारिस्थितिकीय और पर्यावरणीय चुनौतियाँ

1. तेल रिसाव (Oil Spills) – 2010 का "डीपवाटर होराइजन" (Deepwater Horizon) तेल रिसाव दुनिया की सबसे बड़ी पर्यावरणीय आपदाओं में से एक थी।
2. हाइपोक्सिया (Hypoxia) या मृत क्षेत्र (Dead Zone) – मिसिसिपी नदी से आने वाले प्रदूषकों के कारण ऑक्सीजन की कमी, जिससे समुद्री जीवन प्रभावित होता है।

3. तटीय कटाव (Coastal Erosion) – जलवायु परिवर्तन और चक्रवातों के कारण समुद्री तटों का क्षरण हो रहा है।
4. चक्रवात और तूफान – इस क्षेत्र में अटलांटिक महासागर से उठने वाले चक्रवातों का खतरा बना रहता है।

भू-राजनीतिक महत्व

- मेक्सिको की खाड़ी अमेरिका, मेक्सिको और कैरिबियन देशों के बीच एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग और ऊर्जा स्रोत है।
- अमेरिका के लिए यह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र है, क्योंकि यह उसकी ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा है।
- मैक्सिको और अमेरिका के बीच समुद्री सीमा को लेकर कई विवाद भी रहे हैं।

मेक्सिको की खाड़ी (Gulf of Mexico)

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: गल्फ ऑफ मैक्सिको (Gulf of Mexico) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह उत्तर अमेरिकी महाद्वीप के पूर्वी तट पर स्थित एक अर्ध-संवृत समुद्री क्षेत्र (semi-enclosed sea) है।
2. यह संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और क्यूबा से घिरा हुआ है।
3. इसका प्रमुख नदी तंत्र मिसिसिपी नदी है, जो इस खाड़ी में गिरती है।

सही उत्तर चुनें:

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

उत्तर:
(B) केवल 2 और 3
स्पष्टीकरण:
कथन 1 गलत है गल्फ ऑफ मैक्सिको उत्तर अमेरिकी महाद्वीप के दक्षिणी तट पर स्थित है, न कि पूर्वी तट पर।
• कथन 2 सही है यह संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और क्यूबा से घिरा हुआ है।
• कथन 3 सही है मिसिसिपी नदी इस खाड़ी की सबसे महत्वपूर्ण नदी है, जो अमेरिका से निकलकर इसमें गिरती है।

Result Mitra